

आयोजनेत्तर

संख्या 161 / XVII(1)-2/06-376(स०क०) / 2002

प्रेषक

विनीता कुमार—
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवाम्

निदेशक,
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी(नैनीताल)
समाज कल्याण अनुभाग-2

२३-७-२००७
देहरादून दिनांक जून 2007

दिष्ट—अन्तर्जातीय/अन्तर्धार्मिक विवाह प्रोत्साहन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2007-08 में दम्पतियों
को पुरस्कार दिये जाने हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में ।

महोदय

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3432/स०क०/अ०जा०आ० धार्मिक विषय ०/२००६-०७
दिनांक ४ जनवरी २००७ एवं पत्र संख्या— ४०८१/स०क०/अ०जा०आ० धार्मिक विषय ०/२००६-०७
दिनांक २८ फरवरी २००७ तथा पत्र संख्या— ४२४७/स०क०/अ०जा०आ० धार्मिक विषय ०/२००६-०७
दिनांक १३ मार्च २००७ की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि
शासनादेश संख्या— २/७/७३ राएकी, दिनांक १६ जुलाई १९७६ तथा समय-समय पर सशाधित
नियमावली के नियमों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय अन्तर्जातीय/अन्तर्धार्मिक विवाह प्रोत्साहन
योजनान्तर्गत संलग्न सूची में उल्लिखित 10(दस) दम्पतियों को वित्तीय वर्ष 2007-08 में
अन्तर्जातीय/अन्तर्धार्मिक विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार दिये जाने हेतु रु 1,00,000.00(रु० एक लाख
मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की सहज स्वीकृति
प्रदान करते हैं ।

1. अन्तर्जातीय विवाह के अन्तर्गत एक पक्ष अनुसूचित जाति का तथा अन्तर्धार्मिक विवाह के
अन्तर्गत दोनों पक्ष बिन्न-बिन्न धर्म के होने आवश्यक हैं तथा यह प्रोत्साहन पुरस्कार
केवल एक बार ही अनुमन्य होगा ।
2. पुरस्कार प्राप्त करने वाले विवाहित दम्पति में से किसी सदस्य द्वारा पृथकीकरण विवाह
विच्छेद या विवाह विघटन कर लेने पर दम्पति पुरस्कार की सम्पूर्ण धनराशि सरकार को
प्रतिपूर्ति करने के लिये उत्तरदायी होंगे और यह भू-राजस्व की बकाया की भांति
वसूलीय होगी ।
3. यदि बिना किसी न्यायसंगत कारण के और विवाह के दिनांक से प्रारम्भ होकर पांच वर्ष
की समाप्ति के पूर्व किसी दम्पति के वैवाहित संबंध टूट जाते हैं तो तदुपरान्त पुरस्कार
की सम्पूर्ण धनराशि या मूल्य भू-राजस्व की बकाया की भांति वसूलीय हो जायेगी ।

4. पुरस्कार की धनराशि रु0 10,000.00 (रु0 दस हजार ग्राम) पात्र दम्पति को संयुक्त रूप से अनुमन्य होगा ।
5. उक्त धनराशि निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड द्वारा आहरित करके सम्बन्धित जिलाधिकारियों को उपलब्ध करायेंगे । जिलाधिकारी सम्बन्धित दम्पतियों का सत्यापन करके पुरस्कार वितरण सामूहिक रूप से समारोहपूर्वक करेंगे ।
6. अन्तर्धार्मिक विवाह के मामलों में शर्त यह होगी कि अन्तर्धार्मिक विवाह करने वाले दम्पतियों का धर्म परिवर्तन नहीं होगा ।
7. उक्त धनराशि वालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या- 15 के आयोजनेतर पक्ष के लेखाशीर्षक "2235-रामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-800-अन्य व्यय-00-05-अन्तर्जातीय/अन्तर्धार्मिक विवाह हेतु प्रोत्साहन(आयोजनेतर)" के मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जायेगा ।
8. यह आदेश वित्त विभाग के अ0 शा0 संख्या-118 (एनपी)/xxvii(3)/2007 दिनांक 11 जुलाई 2007 में प्राप्त राहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

संलग्न-यथोक्त ।

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव ।

संख्या - १६१ / XVII(1)-2/07 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड ।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
3. आयुक्त, गढ़वाल / कुमाऊ मण्डल, पौड़ी / नैनीताल ।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
5. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड ।
6. क्षेषाधिकारी, हल्द्वानी(नैनीताल) ।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
8. वित्त अनुमान-3 उत्तराखण्ड शासन ।
9. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून ।
10. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,


(स्नेहलता अग्रवाल) १६/७/०७
अपर सचिव ।

अन्तर्राष्ट्रीय/आन्तरिक प्रोजेक्ट के लिए हेतु प्रोजेक्ट प्राविदल योजना में वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु पात्र आवेदन पत्रों की संघी।